

---

Shri Varavaramunivishayamuktakam

श्रीवरवरमुनिविषयमुक्तकम्

Document Information

---

Text title : Shri Varavaramunivishayamuktakam

File name : varavaramunivishayamuktakam.itx

Category : misc

Location : doc\_z\_misc\_general

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Description/comments : Ramanuja Stotramala

Latest update : November 23, 2019, July 5, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 6, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीवरवरमुनिविषयमुक्तकम्



श्रीरस्तु ।

श्रीमते ह्यग्रीवाय नमः ।

श्रीमते रामानुजाय नमः ॥

प्रपद्ये पदपद्मानि परमप्रेमसम्पदाम् ।

सौम्यजामातृयोगीन्द्रचरणैकजुषां सताम् ॥ १ ॥

सम्पत्स्वरूपानुगुणैव यस्मिन् सर्वोत्तरो यत्र मनःप्रसादः ।

सद्भिस्समं देव तमेव देशं प्राप्तुं प्रपद्ये भवदङ्घ्रिमूलम् ॥ २ ॥

यन्मूलमाश्वयुजमास्यवतारमूलं कान्तोपयन्तृयमिनः करुणैकसिन्धोः ।

आसीदसत्सु गणितस्य ममापि सत्तामूलं तदेव जगदभ्युदयैकमूलम् ॥ ३ ॥

श्रीमद्रङ्गं जयतु परमं धाम तेजोनिधानं

भूमा तस्मिन् भवतु कुशली कोऽपि भूमासहायः ।

दिव्यं तस्मै दिशतु विभवं देशिको देशिकानां

काले कालेश्वरवरमुनिः कल्पयन्मङ्गलानि ॥

नचेद्रामानुजेत्येषा चतुरा चतुरक्षरी ।

कामवस्थां प्रपद्यन्ते जन्तवो हन्त मादृशाः ॥ ५ ॥


पुण्याम्भोजविकासाय पापध्वान्तक्षयाय च ।

श्रीमानाविरमृद्भूमौ रामानुजदिवाकरः ॥ ६ ॥


तृणीकृतविरिञ्चादिनिरङ्कुशविभूतयः ।

रामानुजपदाम्भोजसमाश्रयणशालिनः ॥ ७ ॥

इति श्रीवरवरमुनिविषयमुक्तकं सम्पूर्णम् ।

——  
*Shri Varavaramunivishayamuktakam*

pdf was typeset on July 6, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

